सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, १५ जुलाई, २००७ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल अंक : ७५**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

BAPS CENTENARY 1907-2007

इस कोष्टक में
प्रवेश-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी की विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपिया उस पर किसी प्रकार का नुकशान मत किजिए ।**

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें ।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''अपनी वैष्णवी कंठी तोडना नहीं, कंठी तोडने से पाप लगता है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३ |

२. ''टूट पड़ो उस लडके पर ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३ |

३. ''मैं तो आपको इतना ही देता हूँ, परन्तु वर्णी आपको खूब देंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नीलकंठ ने चौलाई की भाजी तोडने से इन्कार किया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

२. शिवजी ने नीलकंठ को नमक और सत्तू दिया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. नीलकंठ ने स्त्री-पुरुषों की सभा अलग अलग की ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. श्रीपुर में महंताई के प्रलोभन का त्याग । २. लाखा कोली को अहिंसा का सबक । ३. पुलहाश्रम में कठिन तपश्चर्या ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४		प्र-५	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठ ने कितने वर्ष, कितने माह और कितने दिन तक वनविचरण किया ? गुण : १ [ ]

.....

.....

२. रघुनंदन को सजीवन करके वर्णी ने क्या कहा ? गुण : १ [ ]

.....

.....

३. नीलकंठ ने सेवकराम का संग क्यों छोड दिया ? गुण : १ [ ]

.....

.....

४. नीलकंठ किसके पास अष्टांग योग सीखे ? गुण : १ [ ]

.....

.....

५. लोज में नीलकंठ वर्णी के सर्वप्रथम दर्शन किस साधु को हुआ ? गुण : १ [ ]

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगवानदास ने नीलकंठ के बायें पैर में कौन से चिह्न देखे ? गुण : २ [ ]

(१) [ ] त्रिकोण (२) [ ] ऊर्ध्वरेखा (३) [ ] कलश (४) [ ] मीन

२. नीलकंठ ने तपस्वीयों से कहा, ''हम.... गुण : २ [ ]

(१) [ ] आत्मा हैं ।'' (२) [ ] अक्षर हैं ।''

(३) [ ] त्यागी हैं ।'' (४) [ ] काम, क्रोध, लोभ आदि दोषों से रहित हैं ।''

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ५)

१. ..... को नित्य नीलकंठ के दर्शन करने का नियम था । गुण : १ [ ]

२. ..... एकादशी के दिन रामानंद स्वामी ने नीलकंठ को दीक्षा दी । गुण : १ [ ]

३. रामानंद स्वामी अपने गुरु आत्मानंद स्वामी को प्रतिदिन समझाते थे कि ''भगवान साकार हैं, भगवान ..... और भक्ति करनी चाहिए ।'' गुण : १ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६		प्र-७	

४. नीलकंठ ने काठमंडू के राजा ..... का असाध्य रोग मिटा दिया । गुण : १

५. सूरत में नीलकंठ को ..... दिन तक उपवास हुआ । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तुम्हारे घर की देहली के पास कुमकुम के पाँच चरणचिह्न दिखाई देंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

२. ''आज माता भी हरिभक्त बन गई ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

३. ''कमलशी वांझा की चारपाई को झीणाभाई ने अपने कन्धों पर उठाया था, और जितने कदम वे चले थे, उससे दुगुने कदम हम उनकी अर्थी अपने कन्धों पर ऊठाकर चले हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज ने शुकानन्द स्वामी को आसन लाने से इन्कार किया ।

..... गुण : २

२. झीणाभाई घर से आती चिट्ठीयाँ पढते नहीं थे ।

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. मुनिबाबा को सत्संग । २. स्वामी यज्ञप्रियदासजी की गुरुभक्ति ।

३. जीवुबा का त्याग और गृहस्थाश्रम के प्रति उनकी उदासीनता ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. श्रीरंगदासजी को श्रीजीमहाराज 'ब्रह्मानंद' क्यों कहते थे ? गुण : १

.....

.....

२. स्वामी यज्ञप्रियदासजी का पूर्वाश्रम का नाम क्या था ? गुण : १

.....

.....

३. झीणाभाई ने पुत्र हठीसिंह की सिफ़ारिश श्रीजीमहाराज से क्यों नहीं की ? गुण : १

.....

.....

४. देवानन्द स्वामी के कीर्तन सम्प्रदाय में किस शब्दों से प्रसिद्ध हैं ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ११ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : स्वामी निर्गुणदासजी

१. जेठाभाई वडोदरा कलाभवन में अभ्यास करते थे । **२.** वे भरुच के गणपतभाई के साथ महुवा भगतजी महाराज के दर्शन के लिए गए । **३.** ''तुम पर भगवान और साधु-संतों की अखंड कृपादृष्टि बनी रहेगी ।'' भगतजी द्वारा दिया हुआ वर । **४.** आचार्य विहारीलालजी महाराज ने उन्हें पार्षदी दीक्षा दी थी । **५.** वे वड़ताल में थे, तब कोई भी साधु जागा भक्त एवं प्रागजी भक्त के विरुद्ध कुछ बोल नहीं सकता । **६.** शास्त्रीजी महाराज का संग भाई मुझे भाग्य से मिला है । यह पद वे कई बार बोलते थे । **७.** रात को लालटेन हाथ में लेकर समैया में फिरते थे । किसी का बिछाना आदि की कमी हो तो कमी को पूरा करते थे । **८.** महाराज ने उनके शरीर को सहलाया, दूध पिलाया । **९.** उनके पत्रों द्वारा लन्दन में सत्संग बहुत बढ़ा था । **१०.** उन्हों ने मुंबई में देहत्याग किया था ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. शुकानन्द स्वामी ने ''सतीगीता'' का ग्रंथ लिखा । ☐ गुण : १

.....

२. देवानन्द स्वामी प्रेमानन्द स्वामी के पास गानविद्या सीखते थे । ☐ गुण : १

.....

३. जोबनपगी की सेवा से प्रसन्न होकर श्रीजीमहाराज ने होली का उत्सव वड़ताल में मनाया । ☐ गुण : १

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

४. जीवुबा के दूसरे नाम – 'मोटीबा', 'पूनमती बा' और 'जया' भी थे । | | गुण : १ | |

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. नीलकंठ की ध्येयनिष्ठा । २. सेवा सर्मपण की फलश्रुति – मंदिर ।

३. सुखी जीवन की चाबी – व्यसनमुक्ति ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें